



## News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life



### Cadaver Organ Donor

**Lt. Kalpnaben Thakorbhai Patel**

**Donated She : Kidney, Liver & Eyes**

**Date:- 18/06/2021**

**DONATE LIFE™**  
an initiative for organ donation

" जीते जी रक्तान, ब्रेनडे के बाद, किडनी, लिवर, हृदयादान..."



## News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

# Brain-dead Navsari woman writes new chapter in 5 lives

TIMES NEWS NETWORK

**Surat:** Kalpnaben Patel always wished to see people smile, says her son. While leaving this world, the 55-year-old, who was declared brain-dead on Thursday, ensured that her organs give a new lease of life to five and bring smiles to many faces.



The Patel family, hailing from Gandevi of Navsari district, decided to donate Kalpnaben's organs after doctors declared her brain dead. The process was initiated late last night and organ harvesting of her two kidneys, a liver and two corneas was done on Friday morning.

"My mother was a religious person and she never shied away from helping others. She always wanted everyone to be happy and smiling. By donating her organs, we will bring smiles to the faces of the members of the five families whose loved ones would get a new lease of life. It's a perfect tribute to my mother," Pratik, Kalpnaben's son, said.

Incidentally, as many as 19 organs have been donated in the last 12 days in Surat with the families of three brain-dead patients coming forward



Gaurang Joshi

Kalpnaben is survived by her husband, two sons and two daughters

to support the noble cause.

As per her family, Kalpnaben complained of high blood pressure and suffered from paralysis on June 3. She was rushed to a local hospital in Gandevi town. After primary treatment, she was referred to a private hospital in Surat where she was diagnosed with brain haemorrhage. Kalpnaben underwent a brain surgery but her condition didn't improve.

On Thursday, doctors declared her brain-dead and informed Donate Life founder Nilesh Mandlewala about her. "As soon as we received the message, we reached the hospital and met her family members including her sons — Pratik and Vivek — and explained the importance of organ donations. They agreed

for organ donation as they wanted to help others," Mandlewala told TOI.

After receiving the consent for cadaver donation, Mandlewala informed State Organ and Tissue Transplant Organisation (SOTTO) convenor Dr Pranjal Modi in Ahmedabad. The two kidneys and a liver were allotted to Institute of Kidney Diseases and Research Centre (IKDRC) for transplantation. Two corneas were donated to Surat-based Lok Drishti Eye bank.

Kalpnaben is survived by her husband Thakorbhai, two sons Pratik and Vivek and two daughters Hetal and Jinal. Vivek works as a safety officer in Hajira-based company while Pratik is employed as engineer in state-run ONGC in Ankleshwar.

"जीते जी रक्तान, ब्रेनडेक के बाट किडनी, लिवर, हृदयान..."



# News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

## Navsari woman gifts life to five

TIMES NEWS NETWORK

**Surat:** Kalpnaben Patel always wished to see people smile, says her son. While leaving this world, the 55-year-old, who was declared brain-dead on Thursday ensured that her



organs give a new lease of life to five and bring smiles to many faces.

The Patel family, hailing from Gandevi of Navsari district, decided to donate Kalpnaben's organs after doctors declared her brain dead. The process was initiated late last night and organ harvesting of her two kidneys, a liver and two corneas was done on Friday morning.

"My mother was a religious person and she never shied away from helping others. She always wanted everyone to be happy and smiling. By donating her organs, we will bring smiles to the faces of the members of the five families whose loved ones would get a new lease of life. It's a perfect tribute to my mother," Pratik, Kalpnaben's son, said.

As per her family, Kalpnaben complained of high blood pressure and suffered from paralysis on June 3. She was rushed to a local hospital in

Gandevi town. After primary treatment, she was referred to a private hospital in Surat where she was diagnosed with brain haemorrhage. Kalpnaben underwent a brain surgery but her condition didn't improve.

On Thursday, doctors declared her brain-dead and informed Donate Life founder Nilesh Mandlewala about her. "As soon as we received the message, we reached the hospital and met her family members including her sons — Pratik and Vivek — and explained the importance of organ donations. They agreed for organ donation as they wanted to help others," Mandlewala told TOI.

After receiving the consent for cadaver donation,

Mandlewala informed State Organ and Tissue Transplant Organisation (SOTTO) convener Dr Pranjal Modi in Ahmedabad. The two kidneys and a liver were allotted to Institute of Kidney Diseases and Research Centre (IKDRC) for transplantation. Two corneas were donated to Surat-based Lok Drishti Eye bank. Kalpnaben is survived by her husband Thakorhai, two sons and two daughters. Vivek works as a safety officer in Hajira-based firm, while Pratik is an ONGC engineer.

"जीते जी रक्तान, ब्रेनडेक के बाट किडनी, लिवर, हृदयान..."



## News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

**मानवता** • डोनेट लाइफ को पिछले 12 दिनों में दक्षिण गुजरात से 18 अंगदान मिले

# खुद नहीं जी सकीं, पर पांच लोगों को नई जिंदगी दे गई कल्पनाबेन

स्टीरी रिपोर्टर | सूत

कोरोना महामारी के बीच भी सूरत से अंगदान का मानवीय कार्य बदस्तूर जारी है। कोली पटेल समाज की ब्रेनडेड कल्पनाबेन ठाकोर भाई पटेल के परिवार ने पांच लोगों को नया जीवन देने के लिए उनकी किडनी, लीवर और आँखें दान कर दी हैं। पिछले बाहर दिनों में देश के अलग-अलग राज्यों के कुल 18 अंग फेल रोगियों को पुनर्जीवित करने के लिए शहर से कुल 18 अंग दान किए गए हैं। ब्रेनडेड कल्पनाबेन की दोनों किडनी और लीवर को ग्रीन कॉरिंडोर कर सड़क मार्ग से अहमदाबाद पहुंचाया गया। जहां तीन अलग-अलग जरूरतमंद, मरीजों में ट्रांसप्लांट किए गए। जबकि लोक दृष्टि आई बैंक के डॉ. प्रभुलल शिरोमणी ने नेत्रदान स्वीकार किया। केस के अनुसार नवसारी जिले के गणदेवी तालुक में अजराई मंडली के बगल में रहने वाली कल्पनाबेन को 3 जून को सुबह 11.30 बजे अचानक रक्तचाप में वृद्धि के कारण लकवा भार गया था। इसलिए उन्हें तुरंत गणदेवी के दमानिया अस्पताल में भर्ती कराया गया। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें सूरत के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां न्यूरोसर्जन डॉ. हसमुख सोजित्रा इलाज शुरू किया। सीटी स्कैन में ब्रेन हेमरेज का पता चला। डॉक्टर ने सर्जरी (ईवीडी) की और मस्तिष्क से पानी निकाल दिया। 17 जून को डॉक्टरों ने कल्पनाबेन को ब्रेनडेड घोषित कर दिया।

**डॉक्टरों-नर्सिंग स्टाफ ने सैल्यूट करके दी विदाई**



अस्पताल के कर्मचारियों ने अंगदाता को सलामी दी।

डोनेट लाइफ की टीम ने अस्पताल पहुंचकर कल्पना बेन के पुत्र प्रतीक और विवेक, दामाद कमल कुमार और परिवार के अन्य सदस्यों को अंगदान का महत्व और पूरी प्रक्रिया के बारे में बताया। कल्पनाबेन के बेटे प्रतीक ने कहा- 'मेरी मां बहुत दयालु और धार्मिक थीं। वे हमेशा दूसरे लोगों को खुश देखना जाहती थीं। अब मां का ब्रेन डेड हो गया है और उनकी मृत्यु निश्चित है, तो आज उनके अंगों के दान से अंग विफलता के रोगियों के चेहरे पर खुशी लाएं। मेरे पिता की भी यही इच्छा है कि मैं अपनी मां के अंगदान से उन्हें चार-पांच अन्य लोगों में जीवित रखूं। डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ ने उन्हें सैल्यूट देकर विदाई दी।

**अब तक 821 लोगों को  
जीवन देने में सफल रहे**

निलेश मांडलेवाला ने बताया कि गुजरात से लाइफ डोनेट द्वारा 388 किडनी, 160 लिवर, 8 पेनियोज, 33 हाईं, 14 फेफड़ और 292 नेत्र सहित कुल 893 अंगों और टिश्यू सहित 821 लोगों को नया जीवन और नई दृष्टि देने में सफलता मिली है।

" जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेड के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."



## News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

**सूरत सबसे आगे: सप्ताहभर में दूसरा अंगदान**

### ब्रेनडेड महिला के अंगदान से तीन को मिली जिंदगी और दो जनों को दृष्टि



**गणदेवी की  
महिला के किडनी,  
लीवर और चक्षु दान  
ब्रेन हेमरेज के बाद  
निजी अस्पताल में  
किया था भर्ती**

**पत्रिका न्यूज नेटवर्क  
patrika.com**

सूरत, नवसारी जिले के गणदेवी की ब्रेनडेड महिला के अंगदान से तीन जनों को नई जिंदगी और दो को रोशनी मिली हैं। ब्रेन हेमरेज के कारण महिला को सूरत की निजी अस्पताल में भर्ती किया गया था। यहां चिकित्सकों की ओर से ब्रेनडेड घोषित किए जाने के बाद महिला के परिजनों ने अंगदान का निर्णय किया।

डोनेट लाइफ के स्थापक नीलेश मांडलेवाला ने बताया कि गणदेवी निवासी कोली पटेल

समाज की महिला कल्पना ठाकोर पटेल (55) का 3 जून को ब्लड प्रेशर बढ़ गया था और लकवे की असर दिखाई देने पर उन्हें सूरत की निजी अस्पताल में रेफर किया गया। यहां जांच में कल्पना को ब्रेन हेमरेज होने का पता चला। उपचार के दौरान 17 जून को चिकित्सकों ने उसे ब्रेनडेड घोषित कर दिया। इसके बाद परिजनों ने अंगदान की इच्छा जताई।

परिजनों की मंजूरी के बाद डोनेट लाइफ ने अहमदाबाद की किडनी हॉस्पिटल का संपर्क किया। अहमदाबाद से आई डॉक्टरों की टीम ने किडनी और लीवर का दान स्वीकार और चक्षुओं का दान लोकदृष्टि चक्षु बैंक ने स्वीकारा। किडनी और लीवर का सिर्फ 220 मिनट में 265 किमी का अंतर तय कर अहमदाबाद ले जाया गया और वहां तीन जनों में ट्रांसप्लांट किया गया।

"जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेड के बाद किडनी, लिवर, हृत्याटान..."



# किडनी, लीवर व आंखों के दान से पांच जनों को दिया नया जीवन

- सूरत में दो सप्ताह के भीतर अंगदान की तीसरी घटना
- विविध राज्यों के 18 व्यक्तियों के जीवन में आई रोशनी

बीओटी संवाददाता

सूरत, 18 जून

ब्रैनडेड घोषित 55 वर्षीय महिला के विविध अंगों से पांच जनों के जीवन में उजाला छाया है। सूरत में बीते दो सप्ताह के दौरान अंगदान की तीन घटनाओं से विविध राज्यों के 18 व्यक्तियों को नया जीवन मिला है।

गणदेवी, नवसारी निवासी 55 वर्षीय कल्पनाबेन ठाकोरभाई पटेल को तीन जून के दिन उच्च रक्तचाप के कारण लकवा की असर होने से गणदेवी की दमणिया अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यहां प्राथमिक उपचार के बाद अतिरिक्त उपचार के लिए



उन्हें सूरत में यूनाइटेड ग्रीन अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उनकी सीटी स्केन रिपोर्ट में ब्रैन हेमरेज निदान हुआ था। यहां डॉ. समुख सोजित्रा ने उनके दिमाग का ओपरेशन कर इसमें जमा पानी बाहर निकाला था। उपचार के दौरान 16 जून को डॉक्टरों ने उन्हें ब्रैनडेड घोषित किया था। कल्पनाबेन के परिजनों ने उनके अंगों के दान करने की इच्छा व्यक्त करने से डोनेट लाइफ के निलेश मांडलेवाला ने उन्हें इस बारे में प्रक्रिया सहित पूरी जानकारी दी थी।

कल्पनाबेन के पुत्र प्रतीक ने कहा कि उनकी माता दयालु व धार्मिक प्रवृत्ति की थी। वे

हमेशा अन्य को खुश देखना चाहते थे। उनकी मृत्यु निश्चित है तो ऐसे में उनके अंगदान से अन्य मरीजों के जीवन में नई रोशनी आए इससे बड़ी खुशी क्या होगी? उनके पापा की भी यही इच्छा है कि उनके अंगदान से चार-पांच जनों को नया जीवन मिले। इसके बाद अहमदाबाद स्थित आईकेडीआरसी के डॉक्टरों की टीम ने कल्पनाबेन की दो किडनी व लीवर का दान स्वीकार किया एवं उन्हें तीन जरूरतमंद लोगों में प्रत्यारोपित किया गया। उनकी आखों का दान लोकदृष्टि चक्षुबैंक के डॉ. प्रफुल शिरोया ने स्वीकार किया।



## News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

# गणदेवी के कोली पटेल समाज की सन्नारी के अंगदान से पांच लोगों को मिला नया जीवन

**■ ब्रेन डेंड्रिटिक्यूरी ऑफिसर गणदेवी के कोली पटेल समाज की किडनी, लीवर और नेत्रदान पांच व्यक्तियों के जीवन में फैला जाता है।**  
**■ पिछले बाहुदिनों में डोनेटलाइफ ने सूरत से कुल 19 अंगों को 18 जरूरत वाले मरीज़ों में पुनर्जीवित किए।**

**लोकतेज संबाददाता**

सूरत। कोली पटेल समाज के ब्रेनडेंड्रिटिक्यूरी ऑफिसर गणदेवी के परिवार ने डोनेट लाइफ संस्था के माध्यम से किडनी, लीवर और आंखें दान कर पांच जरूरतमंद लोगों को नया जीवन प्रदान किया। 3 जून को कल्पनाबेन का अन्यानक ब्लड प्रेशर बढ़ने पर उन्हें गणदेवी के निजी अस्पताल ले जाया गया वहां लकवा की असर दिखाई देने पर

प्राथमिक उपचार के बाद आगे के इलाज के लिए सूरत के अस्पताल में भर्ती किया। सीटीस्केन करने के बाद ब्रेईन हेमोरेज होने का पता चला और 17 जून को चिकित्सकों ने कल्पनाबेन को ब्रेनडेंड घोषित किया।

डोनेट लाइफ संस्था के स्थापक निलेश मांडलेवाला ने कल्पनाबेन के परिवारजनों को अंगदान की जानकारी देकर उन्हे अंगदान के प्रेरित किया। कल्पनाबेन के पुत्र प्रतिक ने कहा की मेरी माता बहुत ही कोमल हृदय की दयालु स्वभाव और धार्मिकवृत्ति में माननेवाली थी। वह जीवन में हमेशा दुसरों को खुश देखना चाहते थे। मेरी माता ब्रेईनडेंड होने पर उनकी मृत्यु निश्चित है जिससे परिवार ने अंगदान करके अन्य अंगों के जरूरत मंद लोगों को नया जीवन देने का निर्णय लिया।



कल्पनाबेन के परिवार से अंगदान की सहमति मिलने पर निलेश मांडलेवाला ने राज्य में अंगदान के लिए जरूरतमंदों के लिए कार्यरत संस्था एसओटीटीओ से संपर्क करके किडनी और लिवर का दान अहमदाबादी की संस्था को दिया गया और चक्षुओं का दान सूरत के लोकद्रष्टी चक्षुबेंक ने स्वीकारा।

सूरत की युनाइटेड ग्रीन अस्पताल से अहमदाबाद की किडनी रिसर्च सेन्टर तक 265 किलोमीटर का अंतर बायरोड 220 मीनीट में तय करके अंगदान से प्राप्त किए दो किडनी और लिवर का सफल ट्रान्सफ्लान्ट तीन जरूरतमंद लोगों में किया गया। किडनी औल लिवर को समय पर सूरत से अहमदाबाद पहुंचाने के लिए राज्य की शहर और ग्राम्य पुलिस के सहयोग से ग्रीन कोरीडोर बनाया गया था।

कोविड-19 महामारी की दुसरी लहर के बाद समग्र देश में अंगदान का प्रमाण बहुत ही कम हो गया था तभी सूरत से डोनेट लाइफ संस्था के सहयोग से पिछले 12 दिनों में 3 ब्रेनडेंड व्यक्तियों के परिवार के सदस्यों की मंजुरी से 2 हृदय, 2 फेफड़े, 6 किडनी, 3 लिवर और 6 चक्षुओं सहित 19 अंगों और टीस्युओं का दान प्राप्त किया गया। देश के विभिन्न राज्यों में अंगों की विपलतावाले जरूरतमंद 18 मरीजों में अंगों का प्रत्यारोपण करके उन्हे नया जीवन प्रदान करने में सफलता मिली।

ज्ञातव्य हो की सूरत और दक्षिण गुजरात में से डोनेट लाइफ संस्था द्वारा अभी तक 388 किडनी, 160 लिवर, 8 पेन्क्रोयास, 33 हृदय, 14 फेफड़े, और 292 चक्षु सहित 893 अंगों और टीस्युओं का दान प्राप्त करके 821 लोगों को नया जीवन और दृष्टि प्रदान की गयी।

**" जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेंड के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."**



## News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

દખાંતર્પ સમાજસેવા

ડોલેટ લાઈકના સ્થાપક-પ્રમુખ નિલેશ માંડલેવાલાએ કલ્યાણાભેનના પરિયારને ઓર્ગન ડોલેટ કરવા જાણકારી આપી

## મહિલાના અંગદાનથી પાંચ વ્યક્તિઓને નવજીવન

ફોર્મકેડ કોળી પટેલ સમાજની કષ્યપનાભેનના કિડની, લિવર અને ચક્કાઓનું દાન થકી પાંચ વ્યક્તિઓના જીવનમાં ફેલાયો ઉઝાસ

Page 9 of 14



第12章

ପ୍ରେନ୍ଟ ଲାଇକ୍ନ୍ସ ଲାଇସେନ୍ସ-ଅମୁଲ  
ମିଶର ମୋଡିଫେକ୍ସନ୍ସ କ୍ଲଯାନ୍ସେ  
ପରିଯାତେ ଏହାର ପ୍ରେନ୍ଟ କ୍ଲେବ୍ ଅନ୍ତରୀଳୀନୀ  
ଜାଗରଣୀ ଆପଣୀ ଦେଖି କ୍ଲଯାନ୍ସେ  
ପ୍ରଥମ ପ୍ରକାର ଜାଗରଣୀ ୩, ମାତ୍ର ମାତ୍ର  
ଖୁବ କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା  
ପରିଚିତ ହାତ ତଥା କ୍ଲେବ୍‌ରେ ନେବା

वीकृत अजितन्दीने भुजा लोहा भांडना  
लगा, जोकी वारा भास्त्री भेट्ठीनंदे कला  
नेमेनु मनुपु निर्मित कर उठे दोस्री अभयारा  
परिवार याही भास्त्रीना अंगठान याचि  
वीकृतने नवाकाळन भागी रुहे ते मातो  
अंगठेने घेनेट करवाचो निर्मित  
करतो, परिवारांना तरठीची अंगठानी  
संभवि भाजाता निवेदा भांडवेष्यांनां

**SOTTO-**ने सिवरनु धान  
भूषणवामा ते  
धान जिकड़ा  
सिरोवामे स  
चरिवारम् ।  
तुम्हीनो हि ॥  
लक्ष्मिवली

ਅਤੇ ਕਰੀਨੇ ਹਿੰਦੇ  
ਵਸਤੂਆਵਾਂ ਨੂੰ ਪ੍ਰਾਪਤ  
ਕਰਨ ਵਿਖੇ ਵਾਲੇ  
ਵਾਲੇ ਵਿਖੇ ਵਾਲੇ  
ਵਾਲੇ ਵਿਖੇ ਵਾਲੇ  
ਵਾਲੇ ਵਿਖੇ ਵਾਲੇ

અને	લેસિયડ
રાનો	માર્ગન્યુ
બોનુ	દાનમા
બસ્ટલ	અને
નના	જરૂરિય
ને	IKDM
કીન	મેરી
DEC	દીમ

ਕ ਸੂਧੀਨੁ ਰਹਪ  
ਸੰਭਰ ੨੨੦ ਮੀਨ  
ਲੋਗਦਾਰਮੁ ਅਵਾਦੇ  
ਚਰਨੁ ਟ੍ਰੈਨ  
ਨਮ੍ਰਤ ਛੀਨਾਮਾਂ ਨ  
**C** ਨਾਲਿਖਾਵ  
ਜਮਾਵ ਰੀਤਵੀ  
ਦੁ ਪ੍ਰਾਵਾਮਾਂ

ਕਿਸੀ ਨੋਟ  
ਅਥਵਾ ਪ੍ਰਾਪਤੀਨੇ  
ਹੈ ਜੇ ਕਿਉਂਨੇ  
ਘਟਾਂ ਤਰ੍ਹਾਂ  
ਜਮਾਵਦਾਵਦਾਵੇ  
ਹੋ ਗਏ।  
ਅਤੇ ਜਦੋਂ  
ਅਨੇ ਨੇਮਨੀ  
ਲਾਈ ਰਹੇ

219 of 219

નવસારીની મહિલાના ઓર્ગાનનું અમદાવાદના એફિમા ટાઇપલાન્ડ પખવાડીયામાં સરતમાંથી ૧૬ અંગારીન હશે

બેઈનડેડ મહિલાનાં અંગદાનથી પાંચને નવજીવન

13 of 13

नवसारी, बच्छेदीना अहरारि  
मुंगीना वतीना हृष्यामिन शोकामाला  
पटेक (उ.प.पयारु) जल ता. उक्तज्ञे  
लवारे अचानक पेसर वधी नेंगु लुंगु ज्ञे  
विपं तमन लकड़ीना असर जलाना  
नाभाराम ग्राहकीनी लौटिस्टिक्स  
प्रेष्यामा ठाना. प्रायमिक सारवाच  
वर्षी वृप्त सारवाच मारे तुरानी कुमाराम  
मीन लौटिस्टिक्स दाखल कराया लाना.

ન્યારાબદ તથીઓ તપાક કરવા જા  
ગીતીરીકેન કરવાન બેઠિન હેઠાં  
પોતાનું નિદાન ધર્યું હતું તોભોળાની ટીવી  
મહારાજી (EVD) કરી મજબૂતમાં ભાવથે  
પાણી ખાડત કર્યા હતું, દરવિનાન વા  
૧૩ જુનના રોજ ન્યુરોસર્કન પ્રેસસ્પુર  
સોનગઢ, ગુલાબી સહિતન  
તથીઓની કાંઈ કષ્ટનાનાંને બેઠિન કે  
પોતિન કાંઈ હતા.



પરિવારને અંગરાનનું મહત્વ સમજાવાયું  
હતું, ત્યારભાઈ પરિવારનું અંગરાન

કરવા સહમત થાં પ્રોનેટ એકિક-નીચે  
દીમળો સંપર્ક કરવો હતો. સુધીમળો  
પુનાઈડે ચીન લોઝિટપટલાંબી  
અમદાવાદની IKDRC લોઝિટપટલાંબી  
સુધીનું રદ્દ પ્રોનેટ ચીન માણનું અનુભવ  
ર૨૦ મીલોનીંથી જીવ તથ પાયોંખોલી  
હતી. એને દાનામાં મેલાંખવામાં અન્યોની  
એ ડિઝિની અને વિવરનું દ્રાષ્ટવ્યાપાર નજી  
જરૂરિયાનાં કરીએલાંબી અમદાવાદની  
IKDRC લોઝિટપટલાંબી ટોપાંગલ માણી

ग्रेज्युएशन विज्ञानी अने तेमानी टीम द्वारा  
करायु ठारू, जापाने युवजनेनु ढाल  
लोकप्रिय युवजनाका दो प्रकृत त्रिसोब्बाहे  
स्त्रीकापुरु ठारू, दुर्दत अने दिल्लिए  
युवजनातामाली ग्रेनेट वाई-फाई डेस्ट्रो  
डिस्ट्रिक्टी १५० विद्यालय, टप्पेनी-आमदार, ३३  
६६४५, १५ क्लेस्टर अने २८२२ युवजनाओं  
कुक्कु ८८३ अनोने रुपूरुष युवजनानु ढाल  
मण्डलीने ८२२ युवजनाको नवाचारण  
अनेन नवीनी दृष्टि आवायामा आवाय ७९

"जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेड के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."



## News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

# ગાણદેવીના કોળી પટેલ સમાજની સન્નારીના અંગદાનથી પાંચ વ્યક્તિઓને મળ્યું નવજીવન બ્રેઇનડેડ કલ્પનાબેન ઠાકોરભાઈ પટેલના કિડની, લિવર અને ચક્કાઓનું દાનથી પાંચ વ્યક્તિઓના જીવનમાં ફેલાયો ઉજાસ

ધબકાર પ્રતિનિધિ, સુરત, તા. ૧૮  
કોળી પટેલ સમાજના બ્રેઇનડેડ કલ્પનાબેન ઠાકોરભાઈ પટેલના પરિવારે ડેનેટ લાઈફના માધ્યમથી તેમના કિડની, લિવર અને ચક્કાઓનું દાન કરી પાંચ વ્યક્તિઓને નવજીવન બખીને માનવતા મહેકાવી છે. તા. ૩ જુનના રોજ કલ્પનાબેન એકાએક બ્લડ પ્રેશર વથી જવાને કારણે લક્વાની અસર જાપાતા તેમને તાત્કાલિક ગાણદેવીની ખાનગી હોસ્પિટલમાં દાખલ કરી પ્રાથમિક સારવાર આપ્યા બાદ વધુ સારવાર માટે સુરતની અન્ય ખાનગી હોસ્પિટલમાં સારવાર શરૂ કરવામાં આવી હતી. સીરી કેન કરવતા બ્રેઇન ડેમરેજ હોવાનું નિદાન થયું હતું. તા. ૧૭ જુનના રોજ ડ્રેક્ટરાએ કલ્પનાબેનના બ્રેઇનડેડ જીહેર કર્યા હતા.

ડેનેટ લાઈફના સ્થાપક-પ્રમુખ નિલેશ માંડલેવાલાએ કલ્પનાબેનના પરિવારને ઓર્ગન ડેનેટ કરવા અંગેની જાગ્રત્તારી આપી હતી. કલ્પનાબેનના પુત્ર પ્રતીક જગ્યાબુંકે, માર્યા મમ્મી બુલ જ માયાળું સ્વતાવના અને ધાર્મિક હતા. તથી જીવનમાં હંમેશા બોજી વ્યક્તિઓને ખશ જોવા માંગતા હતા. જેથી માર્યા મમ્મી બ્રેઇનડેડ થતા તેમનું મૃત્યુ નિર્ણિત જ છે જેથી અમારા પરિવારે માર્યી મમ્મીના અંગદાન વકી બીજાને નવજીવન મળી રહેતે માટે અંગોને ડેનેટ કરવાનો નિર્ણય કર્યો હતો.

પરિવારજનો તરફથી અંગદાનની સંમતિ મળતા નિલેશ માંડલેવાલાએ SOTTOનો સંપર્ક કરીને કિડની અને લિવરનું દાન અમદાવાદી Institute of Kidney Diseases and Research Centre (IKDRC)ને



આપવામાં આવ્યું જ્યારે ચક્કાઓનું દાન લોકન્દ્રાટી ચક્કાઓના ડે.પ્રફ્લુલ શિરોયાને સ્વીકાર્યું કલ્પનાબેનના પરિવારમાં પતિ, બે પુત્ર તથા બે પુત્રીઓ છે.

સુરતની યુનાઇટેડ ગ્રેન હોસ્પિટલથી અમદાવાદી Institute of Kidney Diseases and Research Centre (IKDRC)હોસ્પિટલ સુધીનું રૂફિપ કિ.મી રોડ માર્ગનું અંતર ૨૨૦ મીનીટમાં ક્રાપીને દાનમાં મેળવવામાં આવેલી બે કિડની અને લિવરનું ટ્રાન્સલાન્ટ નજી જરૂરિયાતમંદ દર્દીઓમાં અમદાવાદી IKDRC

હોસ્પિટલમાં ડે.પ્રાંજલ મોદી, ડે.જમાલ રીજાની અને તેમની ટીમ દ્વારા કરવામાં આવી રહ્યું હતું. કિડની અને લિવર સમયસર અમદાવાદ પણોચાડવા માટે સુરત શહેર પોલીસ તેમજ રાજ્યના વિવિધ શહેર અને ગ્રામ્ય પોલીસનો સહકારથી ગ્રેન કોરીગેર બનાવવામાં આવ્યો હતો.

ઉલ્લોખનીય છે કે કોવોડ ૧૯ ની મહિમારીની બોજી લહેર પછી આખા દેશમાં અંગદાનનું પ્રમાણ ખૂબજ ઓછું રહ્યું છે. ત્યારે સુરતમાંથી ડેનેટ લાઈફ દ્વારા છિલ્લા બાર દિવસમાં ત્રણ બ્રેઇનડેડ વ્યક્તિઓના પરિવારજનો સાથે સમજજીવા કેળવી રહ્યું, ૨ હૂદ્દા, ૨ કેફસાં, ૬ કિડની, ૩ લિવર અને હુંચાઓ સહીત કૂલ ૧૮ અંગો અને ટીસ્યુઓના દાન મળવી દેશના વિવિધ રાજ્યોના કૂલ ૧૮ ઓર્ગાનની જરૂરીયાતમંદ દર્દીઓને નવું જીવન આપવામાં સક્રણતા મળવી છે.

નોંધનીય છે કે, સુરત અને દાસ્તિજી ગુજરાતમાંથી ડેનેટ લાઈફ દ્વારા ૩૮૮ કિડની, ૧૬૦ લિવર, ૮ પેન્કીનાસ, ૩૩ હૂદ્દા, ૧૪ કેફસાં અને ૨૮૮ ચક્કાઓ કુલ ૮૮૩ અંગો અને ટીસ્યુઓનું દાન મળવીને ૮૨૧ વ્યક્તિઓને નવું જીવન અને નવી દ્રષ્ટી બદ્ધવામાં સક્રણતા મળી છે.

**" જીતે જી રહ્યાના, બ્રેનડેડ કે બાદ કિડની, લિવર, હૃદયાટાન..."**



## News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

# ગણાદેવીની કોળી પટેલ સમાજની બ્રેઇનડેડ મહિલાના અંગદાનથી પાંચ વ્યક્તિને નવજીવન

ડોનેટ લાઈફ દ્વારા છેલ્લા

12 દિવસમાં ૪ ત્રણ

બ્રેઇનડેડ વ્યક્તિનાં 19

અંગો અને ટીસ્યુઓના

દાનથી 18 વ્યક્તિને

નવજીવન આપવામાં આવ્યું



સુરત, નવસારી : ગણાદેવીના કોળી પટેલ સમાજના કલ્યાણાબેન ડાકોરભાઈ પટેલને બ્રેઇનડેડ જાહેર કરાયા હતા. તેમના પરિવારે કલ્યાણાબેનના શરીરના અંગોનું દાન કરવાનો નિર્ણય લીધો હતો. તેમના અંગોથી પાંચ વ્યક્તિઓને નવજીવન મળ્યું છે.

પ્રાપ્ત વિગતો મુજબ નવસારીમાં ગણાદેવી પાસે અજરાઈ મંડળીની બાજુમાં રહેતા કલ્યાણાબેન ડાકોરભાઈ પટેલનું બ્લડપ્રેશર વધી જવાને કારણે સ્થાનિક હોસ્પિટલમાં લઈ જવાયા હતા. તેઓને વધુ સારવાર માટે સુરતની હોસ્પિટલમાં લાવવામાં આવ્યા હતા. પરંતુ અહીં

તેમનું સારવાર દરમિયાન મોત નીપજ્યું હતું. કલ્યાણાબેનને મગજમાં પાણી ભરાઈ ગયું હોવાથી ડેક્ટરોએ બ્રેઇનડેડ જાહેર કર્યા હતા. ત્યારબાદ ડોનેટ લાઈફ દ્વારા કલ્યાણાબેનના અંગોનું દાન કરવા માટે તેમના પરિવારની સંમતિ લેવામાં આવી હતી.

કોળી પટેલ પરિવારની સંમતિ મળતા ડોનેટ લાઈફ દ્વારા કલ્યાણાબેનના અંગો પૈકી કિડની અને લિવરને અમદાવાદની ઇન્સ્ટીટ્યુટ ઓફ કિડની ઇસ્ક્રીઝ એન્ડ

રીસર્ચ સેન્ટરમાં આપવામાં આવ્યા હતા. માત્ર સાડા ગ્રાન્ડ કલાકમાં જ અંગોને અમદાવાદ લઈ જઈને ત્યાં પાંચ વ્યક્તિઓને ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયા હતા, અને તેઓને નવજીવન આપવામાં આવ્યું હતું. ડોનેટ લાઈફ દ્વારા છેલ્લા 12 દિવસમાં ૪ ત્રણ બ્રેઇનડેડ વ્યક્તિના પરિવારજનો સાથે સમજ્ઞા કેળવીની બે હદ્દ્ય, 2 ફેફસા, કિડની, 3 લીવર અને ૪ ચલ્યુઓ સહિત કુલે 19 અંગો અને ટીસ્યુઓના દાન મેળવી 18 દર્દીઓને નવજીવન આપવામાં આવ્યું છે.



## News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

ગણદેવીના કોળી પટેલ સમાજની  
મહિલાનાં અંગદાનથી પાંચ જીવનમાં ખુશભુ

(प्रतिनिधि द्वारा)

નવસારીના ગણાટવીનાં કોળી પટેલ સમાજના પ્રાચારનાં અંગદાનથી પાંચ વ્યક્તિઓને નવજીવન મળ્ય છે. પરિવારે

અંગધારનો નિર્ણય લઈ માનવતાની મહેક ફેલાવી સમાજને નવી દિશા બતાવી છે.

કલ્યાનાબેન ઠાકોરભાઈ પટેલના બે પુત્રો પૈકી એક અંકલેશ્વર ONGCમાં એન્જિનિયર, બીજો પુત્ર હજરા રિલાયન્સમાં સેફ્ટી ઓફિસર છે

નવસારીના ગણાદેવીની તાલુકાના અજરાઈ મંડળીની બાજુથી રહેતા ખેડૂત ઢાકોરભાઈ છોડુભાઈ પટેલના પણ વર્ષીય પત્તી કલ્યાનાબેન ઢાકોરભાઈ પટેલને જત તા. ઉજુએ સવારે એકાએક બ્લડ પ્રેશર વર્ષી જવાને કારણે લક્ધાની અસર જાપાતા ગણાદેવીની હોસ્પિટલ બાદ વધુ સારવાર માટે સુરતની ખાનગી હોસ્પિટલમા દ્યાખલ કર્યા હતા. જ્યાં બેઈન ડેમરેજ હોવાનું નિદાન થયું હતું. જત તા. ૧૭મીએ ડૉક્ટરોએ કલ્યાનાબેનને બ્રેઇનન્ડેડ જાહેર કર્યા હતા. ડેનેટ લાઈફને જાણ કરતા કલ્યાનાબેનના પરિવારને સમજ અપાત્ત તેઓ અંગદ્ધાન માટે સંમત

થયા હતા. દાનમાં મળેલી બે કિડની અને  
લિવર અમદાવાદની હોસ્પિટલમાં સારવાર



બેકને અપાયું હતું. કલ્યાણાભેનના ચાર સંતાનો  
પૈદી પત્ર પ્રતિક ઓચેનજીઝ અંશ્વલેશ્વરમાં

એન્જિનિયર છે. બીજો પુત્ર વિવેક હજુરા  
સ્થિત રિલાયન્સમાં સેક્રીટી ઓફિસર છે. બે  
પત્રીઓ હેતુલ અને જીનલ છે.

કોલેડ ૧૮ ની મહામારીની બીજી લહેર  
પછી આખા દેશમાં અંગદાનનું પ્રમાણ ખુબજ  
ઓછું છે. ત્યારે મુરતમાંથી ડેન્ટ લાઈફ દ્વારા  
છેલ્લા બાર ટિવિસમાં ગજ બ્રેઇનડેડ  
વ્યક્તિઓના પરિવારજનો સાથે સમજજીવા  
કેળવી રહ્યા, રહ્યા, રહ્યા, રહ્યા, રહ્યા, રહ્યા,  
લિવર અને રહ્યા, રહ્યા, રહ્યા, રહ્યા, રહ્યા, રહ્યા,  
અને ટીસ્યુઓના દાન મેળવી દરેના વિવિધ  
રાજ્યોના કુલ ૧૮ દાદીઓને નવુંજીવન  
આપવામાં સહિતી મળી છે.

મહિલાના બ્રેઇનડેસ થયાં બાદ તેમના કિડની, લિપર, ચક્ષુ દાનથી પાંચને નવજીવન મળ્યું

સુરત | બ્રેટનડે  
કલ્પનાભેન  
ઠાકોરભાઈ  
પટેલના પરિવારે  
કિડની, લિવર  
અને ચયલુઓનું  
દાના કી કે



નવજીવન આપ્યુ હતું. ગાંધેવી  
તાલુકાના કલ્યાણબેન લક્વાઅર્સ્ટ  
થથા બાદ 17 જૂને તબીબોએ ભેર્ડિન

ડેઝાહેર કર્યા હતાં. પરિવારજનો  
તરફથી અંગદાનની સંમતિ મળ્યા  
બાદ મહિલાની કિડની અને  
લિવર અમદાવાની IKDRCને  
ફાળવવામાં આવ્યા. ચલુઓનું  
દાન લોકદાની ચલુંબેકના ડૉ. પ્રહુલ  
શિરોયાએ સ્વીકાર્યું. કિડની અને  
લિવર સમયસર અમદાવાદ  
પહોંચાડવા ગ્રીન કોરીડોર  
બનાવવામાં આવ્યો હતો.

"जीते जी रक्तदान, ब्रैनडेड के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."



## News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life



ગણાદેવીમાં રહેતી બ્રેઇન ડેસ મહિલાના  
અંગાદાનથી પાંચ લોકોને નવજુવન મળ્યું

કલ્પનાબેન પટેલના  
કિડની, લિપર અને  
યકૃતાંનું દાનથકી પાંચ  
વ્યક્તિત્વોના જુવનમાં  
કેલાયો ઉજાસ

સુરત, ૧૦, ૧૬  
કાળી પટેલ સમાજના શ્રેષ્ઠિનોડે  
કલ્પનાભેન હાડોરખાઈ પટેલના  
પરિવારે ગ્રેનેટ લાર્ડના માયમશી  
તેમના કિડની, લિવર અને

ગાણદીવીલા દેરેન  
છક્કા પાણાંગું થાણુ  
હતા જોયા મારી મમ્મી પ્રેરિન્ડે  
ફાર તેમનું મુખું નિશ્ચિત જ હે રોલી  
અમારા પરિવારે મારી મમ્મીના  
અગ્રદાન વડી ભાલુને નવજીવન મળ્યો  
રહે તે માટે અગ્રાને પ્રેનેટ કરવાનો  
નિર્ધિંદુ કાર્ય હતો

પરિવારાજ્ઞાતરકારી અંગેદાનની સંમાન મળતી નિષેખ માણસુધીયાને SOTTO-ની કંપાઈ કરીને ડિન્ની અને લિપિરચ્ચનું દાન અમદાવાહની Institute of Kidney Diseases and Research Centre (IKDRC)ને આપવામાં આવ્યું જરૂરી ચંદ્ર અંદરું દાન લોડદ્વારા ચૂંબેં કરાના હો. પ્રફુલ શરીરોયાને સ્વીકાર્પું કલયાનના પરિવારમાં પત્તિ, અ પ્રત્ય તથા એ પરીક્રમાઓ છે.

ચાહે આરોનું દાન કરી પાંચથી  
વ્યક્તિનાને નવજીવન બસ્તિને  
માનવતા મહેકાવી છે. તી. 3  
જુનના રોજ કલપનાભિન એકાનેક  
ખ્યાલ પ્રેરણ વિધી જીવાળે કરાશે  
લક્ષ્યાની અસરે જીવાળા તેમને  
તાત્કાલિક ગંગાદેવીની માનવી  
હોસ્પિટલમાં દાખલ કરી પ્રાયાન્ધિક  
સારવાર આપ્યા બાદ વધુ સારવાર  
માટે સુરતની અન્ય માનવી  
પ્રાયિટલમાં સારવાર શરૂ કરવામાં  
આવી હતી. સીટી સ્કેન કરવાની  
ઓઈન હમરેઝ જીવાળનું નિદાન થયું

સુરતની પુનાઈટેડ ક્રીન લોસ્પિટલથી અમદાવાદની Institute of Kidney Diseases and Research Centre (IKDRC) લોસ્પિટલ સુધીનું રૂપ ડિ.પી રોડ માર્ગનું અંતર રૂપી મીનીટમાં પ્રાપ્તિને દાનામાં મેળવવામાં આવેલી ને ડિડની અને લિપરનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ ગણ જુરીયાતમંદ ડાયનોમાં અમદાવાદની IKDRC લોસ્પિટલમાં ડૉ. પ્રાંજુલ મોહી, ડૉ. જમાલ રીટેલી અને તેમની રીત દ્વારા કરવામાં આવી રહ્યું હતું. ડિડની અને લિપરસમ્પયસ્ટ અમદાવાદ પદ્ધતેઓનું માટે સુરત શહેર પોલીસ તેમજ રાજ્યના વિવિધ શહેર અને આમદાવાદ પોલીસનો સહકારથી ક્રીન પોર્ટીંગે બનાવવામાં આવ્યો હતો.

અનુ. તા. ૧૭ જુનના રોજ ટ્રેકટર  
કલ્પનાબેનને પ્રેરિનીંડે જાહેર કર્યા  
શક્તિ.

ડોનેટ વાઈફિના સ્થાપક-  
પ્રમુખ નિલેશ માર્કેટવાલાને  
કલણાબેનના પરિવારને ઓર્ગન  
ડોનેટ કરવા અંગેની જીવનકારી  
આપી હતી. કલણાબેનના પુત્ર  
પ્રતીક જાહેરુંકે, મારા ભાગી ભાગ  
જ માયાળું સ્વભાવના અને પાંચું  
હતા. તેમાં જીવનમાં હેમશા બીજી  
વ્યક્તિઓને ખૂબ જોવા મંગતા

સાંજુસંઘાલ પાત્રા ક પર

મહામારીના ભોગ લેણે પણ આપણા  
દેશાં અંગરાનું પ્રમાણ પૂરુષ જોઈએ  
રહ્યું છે. ત્વારે સુરતામાંથી ડેનેટ લાઇફ  
દ્વારા ઉંઘા બાબત હિવસમાં કશ ઝોંકનું  
વ્યક્તિગતોના પરિવારજનો સાથે  
સમજજી કેળવી ર હદ્દ, ૨ કેક્સાં, હ  
ડિની, ત વિષવાનને હ ચુકુઓસેવાના  
કુલ ૧૮ અંગો અને ટીસ્યુઓના દાન  
મળવી દેખાના વિવિધ રાજ્યોના કુલ  
૧૮ અંગોનની જરૂરીતાનું હઠીબાન  
નું કૃપન આપવામાં સહજતા મેળવી  
છે. નોંધનીય છે કે, સુરત અને દુસ્સાં  
સુરતામાંથી ડેનેટ લાઇફ દ્વારા ઉંઘા  
ડિની, ૧૦૦ લિપર, ૮ પેકીઓસ,  
૩૩ હદ્દ, ૧૪ કેક્સાં અને રહ્યા  
ચુકુઓ કુલ ૧૮૩ અંગો અને  
ટીસ્યુઓનું દાન મેળવીને ૧૨૧  
વ્યક્તિગતોને નું કૃપન અને નવી દૃષ્ટિ  
ભવવામાં સહજતા મળી છે.

"जीते जी रक्तदान, ब्रैनडेड के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."



## News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

# DONATE LIFE

## CADAVER ORGAN DONATION FIGURES

Date: January, 2006 to 18th June, 2021

388

KIDNEY

160

LIVER

8

PANCREAS

33

HEART

14

LUNGS

292

CORNEA

Which has given new lease of life &  
vision to 821 persons across the country & globe

"जीते जी रक्तान, ब्रेनडेड के बाट किडनी, लिवर, हृदयादान..."